दिन– बुधवार　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　दिनांक– 23 / 07 / 2025

प्रसार भारती
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)
प्रादेशिक समाचार एकांश
आकाशवाणी, पटना

प्रसारणः– शाम 7.30 बजे से।　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　अवधिः– 15 मिनट

---

01. मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण–एसआईआर के मुद्दे को लेकर बिहार विधानमंडल और संसद में विपक्षी दलों का हंगामा लगातार तीसरे दिन जारी।

02. चुनाव आयोग ने कहा – राज्य में एसआईआर के तहत अब तक अट्ठानवे प्रतिशत से अधिक मतदाताओं का सत्यापन पूरा किया गया।

03. बिहार में आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्रों के आधुनिकीकरण के लिए केंद्र सरकार लगभग उनहत्तर करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

04. और, नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक नदियों में उफान। कटिहार के चौदह प्रखंड बाढ़ से प्रभावित।

विधानमंडल के मानसून सत्र के तीसरे दिन भी विपक्षी सदस्यों ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया। विधानसभा में हंगामा, नारेबाजी और शोर–शराबा के कारण कार्यवाही बाधित हुई। विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कई बार सदस्यों से शांति बहाली की अपील की, लेकिन उसका भी कोई असर नहीं हुआ।

–––बाइट–––

हालांकि इससे पूर्व, विधानसभा की कार्यवाही आज शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव को अपना पक्ष रखने के लिए समय दिया। तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि एसआईआर को लेकर निर्वाचन आयोग संवैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं कर रहा है, इसलिए इस मुद्दे पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है। आयोग की ओर से सुप्रीम कोर्ट में कल एक हलफनामा भी दायर किया गया, जिसमें इस बात का कहीं उल्लेख नहीं है कि मतदाता सूची में बांग्लादेशी, नेपाल और म्यांमार के नागरिक मिले हैं।

–––बाइट–––

इस बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि इस मुद्दे का कोई औचित्य नहीं है। मॉनसून सत्र के बाद चुनाव होने वाले हैं। इसलिए सत्र के बाकी बचे दिनों में विधायी कार्य शांतिपूर्ण ढंग से होने चाहिए।

–––बाइट–––

मुख्यमंत्री के वक्तव्य के बाद राजद के भाई वीरेन्द्र ने आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने उनसे खेद प्रकट करने को कहा। अध्यक्ष ने कहा कि जब तक वे अपनी टिप्पणी के लिए खेद नहीं प्रकट नहीं करेंगे तब तक सदन की कार्यवाही नहीं चलेगी। इस बीच, पक्ष और विपक्ष के विधायक लगातार हंगामा करते रहे। शोर–शराबा और नारेबाजी के बीच किसी की बात सुनी नहीं जा रही थी। भारी हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

भोजनावकाश के बाद भी हंगामा और शोर–शराबा जारी रहा। विपक्षी सदस्यों के सदन से वॉकआउट के बाद विधान सभा ने आज छह विधेयकों को पारित कर दिया। इनमें जन नायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय विधेयक दो हजार पच्चीस, बिहार कृषि विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक दो हजार पच्चीस, बिहार प्लेटफार्म आधारित गिग कामगार (निबंधन, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक दो हजार पच्चीस, बिहार दुकान और प्रतिष्ठान (रोजगार विनियमन और सेवा शर्त) विधेयक और बिहार कारखाना (संशोधन) विधेयक शामिल हैं। विधायी कार्य निपटाए जाने के बाद अध्यक्ष ने कल पूर्वाह्न ग्यारह बजे तक के लिए विधानसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी। इधर, विधान परिषद में भी एसआईआर पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही दिनभर बाधित रही।

राज्य में चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य अब पूरा होने के करीब है। अभियान के तहत बीस लाख मृतकों के नाम भी सूची में पाये गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि सत्यापन प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में अट्ठाईस लाख ऐसे लोग पाये गए हैं जो दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में स्थाई रूप से जा चुके हैं। जबकी सात लाख लोगों ने मतदाता सूची में दो जगहों पर अपना नाम दर्ज करा रखा है। चुनाव आयोग ने इन मतदाताओं की सूची राजनीति दलों के साथ साझा कर दी है। आयोग ने कहा है कि एक लाख वैसे मतदाताओं की सूची भी दी गई है जो अपने पते पर नहीं मिले है। श्री गुंजियाल ने बताया कि अब तक अट्ठानवे दशमलव शून्य–एक प्रतिशत मतदाताओं का सत्यापन कार्य पूरा कर लिया गया है। आयोग ने कहा है कि सात करोड़ सत्रह लाख से अधिक गणना फार्म एकत्र किए गए हैं। अब केवल पंद्रह लाख मतदाताओं को ही अपने फार्म जमा कराने हैं।

इधर, लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही भी बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण और अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष से प्रश्नकाल चलने देने की अपील करते हुए कहा कि देश की जनता उनके आचरण पर नज़र रख रही है।

———बाइट———

मैं पुनः कहना चाहता हूं सदन में तख्तियां लेकर आने वालो पर मुझे निर्णायक कार्यवाही करनी पड़ेगी। आप जाइए, सदन में बैठिए, मुद्दों पर चर्चा करिए, प्रश्नकाल पर हर मुद्दों पर, हर विषय पर नियम प्रक्रियाओं के साथ आपको चर्चा और संवाद करने का पर्याप्त अवसर दिया जायेगा।

शोरगुल के बीच ही रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिहार में रेलवे परियोजनाओं से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि पिछले ग्यारह वर्षों में बिहार को रेल परियोजनाओं के लिए दिए जाने वाले बजटीय आवंटन में नौ गुना वृद्धि की गई है।

———बाइट———

बिहार में जहां 11 वर्ष पहले मात्र 11 सौ बत्तीस करोड़ रुपए पर एनम बजट का एलोकेशन होता था वहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आकर बिहार के लिए रेलवे के बजट को नौ गुणा बढ़ाकर दस हजार करोड़ रुपए का बजट दिया है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष के व्यवहार पर चिंता व्यक्त की है। संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष जानबूझकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है।

———बाइट———

ये जानबूझकर के भ्रम और अराजकता फैलाने की कोशिश विपक्ष कर रहा है। गरीब देशवासियों के पैसे का दुरूपयोग कर रहे हैं। बहस के लिए जब सरकार तैयार है जिस विषय पर बहस हो, इसका मतलब है बहस नहीं चाहिए। सदन के अंदर, सदन में हंगामा, सदन के बाहर हंगामा।

लोजपा रामविलास के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा है कि एसआईआर को लेकर विपक्ष ओछी राजनीति कर रहा है। संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए श्री पासवान ने कहा कि एसआईआर लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए किया जा रहा है।

———बाइट———

केंद्र सरकार ने आज कहा कि बिहार में आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रसारण संबंधी बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए लगभग उनहत्तर करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। बिहार स्थित आकाशवाणी केंद्रों के लिए चौंसठ करोड़ छप्पन लाख रुपये जबकि दूरदर्शन केंद्रों के लिए चार करोड़ इकतीस लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं।

लोक सभा में भाजपा के जनार्दन सिंह सिग्रिवाल के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री डॉ एल. मुरुगन ने यह जानकारी दी।

———————————————————————

आज राष्ट्रीय प्रसारण दिवस है। उन्नीस सौ सत्ताईस में इसी दिन देश में पहला रेडियो प्रसारण इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी के बॉम्बे स्टेशन से शुरू हुआ था। यह दिन भारत के विकास, शैक्षिक प्रसार और सांस्कृतिक संरक्षण में प्रसारण की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। एक रिपोर्ट–

–––रिपोर्ट–––

स्वतंत्रता संग्राम के दौरान रेडियो ने जन–जन तक पहुँचने वाले एक प्रभावी साधन के रूप में अपनी जगह मज़बूत की। स्वतंत्रता के बाद, यह माध्यम साक्षरता, स्वास्थ्य जागरूकता और कृषि ज्ञान को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हुआ। 1956 में, प्रसारक का नाम आकाशवाणी हो गया। पिछले कुछ वर्षों में, आकाशवाणी ने सोशल मीडिया हैंडल, न्यूज़ऑनएयर मोबाइल ऐप, पॉडकास्ट सीरीज़ के माध्यम से डिजिटल क्षेत्र में अपनी पहुंच बढाई है। इस अवसर पर प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत कुमार सहगल ने कहा कि आकाशवाणी वर्षों से शिक्षा, सूचना और मनोरंजन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने कहा कि 90 वर्ष पुरानी राष्ट्रीय धरोहर के रूप में आकाशवाणी आज भी मज़बूती से आगे बढ़ रहा है।

आकाशवाणी की महानिदेशक डॉ. प्रज्ञा पालीवाल गौड़ ने कहा कि भारतीय प्रसारण की यात्रा परिवर्तनकारी और राष्ट्र निर्माणकारी रही है। अपनी स्थापना के बाद से आकाशवाणी ने राष्ट्र के लोगों से संवाद किया है और जनता को सूचित, शिक्षित और मनोरंजन करने तथा बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय के अपने आदर्शवाद पर खरा उतरने का प्रयास किया है। अमन यादव, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

———————————————————————

नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश के कारण गंगा, गंडक, कोसी समेत प्रदेश से होकर गुजरने वाली विभिन्न नदियों को जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

———————————————————————

कटिहार जिले में विभिन्न नदियों में आए उफान के कारण चौदह प्रखंडों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। इसे देखते हुए अलर्ट घोषित किया गया है। एक रिपोर्ट...

–––रिपोर्ट–––

जिले में गंगा, कोसी, महानंदा और बरंडी नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। कोसी और गंगा नदी लाल निशान के ऊपर बह रही है। चौदह प्रखंडों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी फैल गया है। मनिहारी, अमदाबाद, सालमारी, सेमापुर, प्राणपुर, कुर्सेला समेत कई इलाकों में कटाव भी तेज हो गया है। खेतों में पानी भर जाने से पशु चारे का संकट भी उत्पन्न हो गया है। कुर्सेला के गुमटी टोला स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में बाढ़ का पानी प्रवेश कर जाने से शैक्षणिक गतिविधि बंद कर दी गयी है। इधर, अमदाबाद नगर पंचायत के पारदियारा की ओर जाने वाली सड़क पर कई जगहों पर पानी फैल गया है जिससे एक बड़ी आबादी का आवागमन बाधित हो गया है। जिला प्रशासन ने हालात की निगरानी बढ़ा दी है। आकाशवाणी समाचार के लिए कटिहार से कुमार मुकेश चौधरी।

———————————————————————

कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि से सुपौल जिले के निचले इलाकों में बाढ़ का संकट गहराने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन अलर्ट है। ब्यौरा हमारे संवाददाता से...

–––रिपोर्ट–––

नेपाल में भारी बारिश के कारण सुपौल जिले के भीमनगर स्थित कोसी बराज पर पानी का दबाव काफी बढ़ गया है। इसे देखते हुए आज शाम चार बजे तक बराज से एक लाख बावन हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया। वहीं, नेपाल के जलग्रहण क्षेत्र बराह से एक लाख उन्नीस हजार क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया। इसके कारण कोसी नदी के जलस्तर में भारी वृद्धि दर्ज की गयी है। जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग की टीम हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। आकाशवाणी समाचार के लिए सुपौल से रविशंकर चौधरी।

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर...........

01. मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण–एसआईआर के मुद्दे को लेकर बिहार विधानमंडल और संसद में विपक्षी दलों का हंगामा लगातार तीसरे दिन जारी।

02. चुनाव आयोग ने कहा – राज्य में एसआईआर के तहत अब तक अट्ठानवे प्रतिशत से अधिक मतदाताओं का सत्यापन पूरा किया गया।

03. बिहार में आकाशवाणी और दूरदर्शन केंद्रों के आधुनिकीकरण के लिए केंद्र सरकार लगभग उनहत्तर करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

04. और, नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक नदियों में उफान। कटिहार के चौदह प्रखंड बाढ़ से प्रभावित।

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।

आकाशवाणी पटना से अगला समाचार बुलेटिन प्रातः आठ बजकर अड़तालीस मिनट से प्रसारित किया जाएगा।